संघ लोक सेवा आयोग

सामान्य अध्ययन

प्रारम्भिक परीक्षा-2014 (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

समय : 2 घंटे **अधिकतम अंक : 200**

निम्नलिखित 5 (पाँच) प्रश्नांशों के लिए निर्देश:

निम्नलिखित दो परिच्छेदों को पढ़िए और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

परिच्छेद-1

हाल के वर्षों में, भारत न केवल खुद अपने अतीत की तुलना में, बल्कि अन्य देशों की तुलना में भी, तेजी से विकसित हुआ है। किन्तु इसमें किसी आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं हो सकती क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इससे भी अधिक तीव्र विकास करना और इस संवृद्धि के लाभों को, अब तक जितना किया गया है उससे कहीं अधिक व्यापक रूप से, अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाना सम्भव है। उन सूक्ष्म-संरचनात्मक परिवर्तनों के प्रकारों के ब्यौरों में जाने से पहले, जिनकी हमें संकल्पना करने और फिर उन्हें कार्यान्वित करने की जरूरत है, समावेशी संवृद्धि के विचार को विस्तार से देखना सार्थक होगा, जो कि इस सरकार की विभिन्न आर्थिक नीतियों और निर्णयों के पीछे एक निरूपक संकल्पना निर्मित करता है। समावेशी संवृद्धि में रुचि रखने वाला राष्ट्र इसी संवृद्धि को एक भिन्न रूप में देखता है जो इस पर आधारित है कि क्या संवृद्धि के लाभों का जनसंख्या के एक छोटे हिस्से पर ही अम्बार लगा दिया गया है या इनमें सभी लोगों की व्यापक रूप से साझेदारी है। अगर संवृद्धि के लाभों में व्यापक रूप से साझेदारी है तो यह खुशी की बात है, पर अगर संवृद्धि के लाभ एक हिस्से पर ही केंद्रित हैं, तो नहीं। दूसरे शब्दों में, संवृद्धि को अपने आप में एक साध्य की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सभी तक संपन्नता पहुंचाने के एक साधन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत के स्वयं के अतीत के अनुभव तथा दूसरे राष्ट्रों के अनुभव भी, यह सुझाते हैं कि संवृद्धि गरीबी के उन्मूलन के लिए आवश्यक तो है, परंतु यह एक पर्याप्त शर्त नहीं है। दूसरे शब्दों में, संवृद्धि को बढ़ाने की नीतियों को ऐसी और नीतियों से सम्पूरित किया जाना आवश्यक है जो यह सुनिश्चित करें कि अधिकाधिक लोग संवृद्धि की प्रक्रिया में शामिल हों, और यह भी कि ऐसी क्रियाविधियां उपलब्ध हों जिनसे कुछ लाभ ऐसे लोगों में पुनर्वितरित किए जाएं जो बाजार-प्रक्रिया में भागीदार होने में अक्षम हैं और इस कारण पीछे छूट जाते हैं।

समावेशी संवृद्धि के इस विचार को एक अधिक सुस्पष्ट रूप देने का एक सरल तरीका यह है कि किसी राष्ट्र की उन्नति को उसके सबसे गरीब हिस्से, उदाहरणार्थ, जनसंख्या के सबसे निचले 20% की उन्नति के आधार पर मापा जाए। जनसंख्या के इस सबसे निचले पांचवें हिस्से की प्रति व्यक्ति आय को मापा जा सकता है और आय की वृद्धि-दर की गणना भी की जा सकती है; और सबसे गरीब हिस्से से सम्बंधित इन मापकों के आधार पर हमारी आर्थिक सफलता का आकलन किया जा सकता है। यह दृष्टि आकर्षक है, क्योंकि यह संवृद्धि की उस तरह उपेक्षा नहीं करती जैसी कि कुछ पहले के परम्पराविरुद्ध मानदण्डों में की जाती थी। यह बस जनसंख्या के सबसे गरीब हिस्से की आय की वृद्धि को ही देखती है। यह इसे भी सुनिश्चित करती है कि ऐसे लोगों की भी इस निचले पांचवें हिस्से में आ जाएं और इस प्रकार अपने-आप ही हमारी इन नीतियों का सीधा लक्ष्य बन जाएं। इस प्रकार यहां सुझाए गए मानदण्ड समावेशी संवृद्धि के विचार का सांख्यिकीय समाकलन हैं जो परिणामतः दो उपसिद्धांतों की ओर ले जाते हैं: यह इच्छा करना आवश्यक रूप से भारत ऊँची संवृद्धि प्राप्त करने का प्रयास करे और हम इसे सुनिश्चित करने के लिए कार्य करें कि संवृद्धि से सबसे गरीब हिस्से लाभान्वित हों।

1. इस परिच्छेद में, लेखक की दृष्टि का केन्द्रबिन्दु क्या है?
   (a) भारत की, न केवल इसके खुद के पूर्व के निष्पादन की तुलना में बल्कि अन्य राष्ट्रों की तुलना में भी, आर्थिक संवृद्धि की प्रशंसा करना।
   (b) आर्थिक संवृद्धि की आवश्यकता पर बल देना, जो देश की सम्पन्नता की एकमात्र निर्धारक है।
   (c) उस समावेशी संवृद्धि पर बल देना, जिसमें जनसंख्या व्यापक रूप से संवृद्धि के लाभों में सहभागी होती है।
   (d) उच्च संवृद्धि पर बल देना।

2. इस परिच्छेद में, लेखक उन नीतियों का समर्थन करता है, जो
   (a) आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाने में सहायक होंगी।
   (b) आय के बेहतर वितरण में सहायक होंगी, चाहे वृद्धि दर कुछ भी हो।
   (c) आर्थिक संवृद्धि बढ़ाने और आर्थिक उपलब्धियों को उनमें पुनर्वितरित करने में सहायक होंगी, जो पीछे छूट रहे हैं।
   (d) समाज के सबसे गरीब हिस्सों के विकास पर बल देने में सहायक होंगी।

GS World Committed To Excellence

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

लेखक के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था विकसित हुई है किन्तु यहां आत्मसंतोष के लिए कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि

1. संवृद्धि से गरीबी का उन्मूलन होता है।
2. संवृद्धि सभी की सम्पन्नता में परिणामित हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

परिच्छेद-2

सरकार के लिए राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों को प्राय: सहमति और अनदेखी से नियंत्रित करना आसान है। इसलिए पहले कदम के रूप में वास्तव में यह करने की जरूरत है कि पेट्रोल के कीमत-निर्धारण को एक पारदर्शी सूत्र पर आधारित किया जाए- यदि कच्चे तेल की कीमत x और विनिमय दर y हो, तब हर महीने अथवा पखवाड़े पर, सरकार पेट्रोल की अधिकतम कीमत की घोषणा करे, तो उसे कोई भी व्यक्ति x और y के आधार पर परिकलित कर सकता है। यह सुनिश्चित करने हेतु नियम बनाया जाना चाहिए कि तेल का विपणन करने वाली कम्पनियाँ सामान्य रूप से, अपनी लागतें प्राप्त कर सकें। इसका तात्पर्य यह है कि यदि कोई कम्पनी नवप्रवर्तनों से अपनी लागतों को कम कर लें, तो वह और अधिक लाभ प्राप्त करेगी। इस प्रकार, इस प्रणाली के अंतर्गत व्यावसायिक प्रतिष्ठान नवप्रवर्तनों की ओर अधिक प्रवृत्त और दक्ष हो जाएंगे। एक बार नियम की घोषणा हो जाए, तो सरकार की तरफ से फिर कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। यदि कुछ समय के लिए ऐसा कर दिया जाए, तो प्राइवेट कम्पनियाँ इस बाजार में पुन: प्रवेश करेंगी। और जब एक बार उनकी पर्याप्त संख्या बाजार में आ जाए, तो हम नियम-आधारित कीमत-निर्धारण को हटा सकते हैं और इसे वास्तविक रूप में बाजार पर छोड़ा जा सकता है (निश्चित रूप से सामान्य ऐंटि-ट्रस्ट (न्यास-विरोधी) विनियमों व अन्य प्रतिस्पर्धी कानूनों के अधीन रहते हुए)।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

परिच्छेद के अनुसार, कोई तेल कम्पनी और अधिक लाभ कमा सकती है, यदि पेट्रोल के कीमत-निर्धारण हेतु एक पारदर्शी सूत्र प्रति पखवाड़े या माह घोषित किया जाए,

1. इसके विक्रय को बढ़ाकर।
2. नवप्रवर्तनों के द्वारा।
3. लागतों में कमी करके।
4. इसके ईक्विटी शेयरों को ऊँची कीमतों पर बेच कर।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1, 2 और 4

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

परिच्छेद के अनुसार, प्राइवेट तेल कम्पनियां तेल उत्पादन के बाजार में पुन: प्रवेश करती हैं, यदि

1. एक पारदर्शी नियम-आधारित पेट्रोल का कीमत-निर्धारण अस्तित्व में हो।
2. तेल उत्पादन के बाजार में सरकार का कोई हस्तक्षेप न हो।
3. सरकार द्वारा उपदान दिए जाते हों।
4. ऐंटि-ट्रस्ट (न्यास-विरोधी) के विनियमों को हटा दिया गया हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

6. पाँच व्यक्ति एक लक्ष्य पर क्रमश: 6, 7, 8, 9 और 12 सेकेण्ड के अन्तराल पर गोलियाँ दागते हैं। एक घंटे में वे लक्ष्य पर एक साथ कितनी बार गोलियाँ दागेंगे?

(a) 6 (b) 7
(c) 8 (d) 9

7. 630 बच्चों के एक समूह को सामूहिक फोटो लेने के लिए पंक्तियों में बिठाया गया। प्रत्येक पंक्ति में उसके आगे की पंक्ति की तुलना में तीन बच्चे कम थे। पंक्तियों की निम्नलिखित संख्याओं में से कौन-सी एक, संभव ***नहीं*** है?

(a) 3 (b) 4
(c) 5 (d) 6

8. एक सीढ़ी पर सात व्यक्ति A, B, C, D, E, F और G (इस क्रम में नहीं) हैं। A, E से ऊपर है लेकिन C से नीचे है। B मध्य में है। G, A और B के बीच में है। E, B और F के बीच में है। यदि F, E और D के बीच में है, तो सीढ़ी के सबसे निचले सोपान पर कौन-सा व्यक्ति होगा?

(a) B (b) F
(c) D (d) E

9. विचार कीजिए कि :

1. A, B से लंबा है।
2. C, A से लंबा है।
3. D, C से लंबा है।
4. E सबसे लंबा है।

अब यदि इन्हें उपर्युक्त लंबाई के अनुसार क्रम से बिठाया जाए, तो बीच की जगह पर कौन बैठेगा?

(a) A (b) B
(c) C (d) D

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

A, B, C, D, E एवं F छह गाँव हैं।

F गाँव D गाँव के 1 कि.मी. पश्चिम में है।

B गाँव E गाँव के 1 कि.मी. पूर्व में है।

A गाँव E गाँव के 2 कि.मी. उत्तर में है।

C गाँव A गाँव के 1 कि.मी. पूर्व में है।

D गाँव A गाँव के 1 कि.मी. दक्षिण में है।

कौन-से तीन गाँव एक रेखा (लाइन) में हैं?

(a) A, C, B (b) A, D, E

(c) C, B, F (d) E, B, D

11. चार बच्चे एक पंक्ति में बैठे हैं। A, B की बगल वाली सीट पर बैठा है, लेकिन C के बगल में ***नहीं***। यदि C, D की बगल में ***नहीं*** बैठा है, तो D के अगल-बगल की सीट/सीटों पर कौन है/हैं?

(a) B (b) A

(c) B और A (d) बताना असंभव है

12. कल्पना कीजिए कि

1. एक घड़ी की घंटे व मिनट की सुइयाँ बिना झटके के चलती है।
2. घड़ी 8 बजे और 9 बजे के बीच का समय दिखाती है।
3. घड़ी की दोनों सुइयाँ एक-दूसरे के ऊपर हैं।

कितने मिनट (निकटतम पूर्णांक) बाद दोनों सुइयाँ फिर एक बार एक-दूसरे के ऊपर होंगी?

(a) 60 (b) 62

(c) 65 (d) 67

निम्नलिखित 6 (छह) प्रश्नांशों के लिए निर्देश:

जलवायु परिवर्तन, भारत की कृषि पर संभावित रूप से विध्वंसकारी प्रभाव रखता है। जबकि, जलवायु परिवर्तन के समग्र प्राचल वर्धमानत: स्वीकृत हैं- अगले 30 वर्ष में 1°C की औसत ताप वृद्धि, इसी अवधि में 10 सेमी. से कम की समुद्र तल वृद्धि, और क्षेत्रीय मानसून विचरण तथा संगत अनावृष्टि भारत में प्रभाव काफी स्थल एवं फसल विशिष्ट होने संभावित हैं। कुछ फसलें परिवर्तनशील दशाओं के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया दे सकती हैं, दूसरी नहीं भी दे सकती हैं। इससे कृषि अनुसंधान को प्रोत्साहन देने और प्रणाली में अनुकूलन हो सके इस हेतु, अधिकतम नम्यता बनाने की आवश्यकता पर बल पड़ता है।

''अनावृष्टि रोधन'' का मुख्य संघटक अंत: जलस्तर का प्रबंधित पुनर्भरण है। महत्वपूर्ण आधारिक फसलों (जैसे, गेहूँ) की लगातार उपज सुनिश्चित करने के लिए, ताप परिवर्तनों तथा जल उपलब्धता को देखते हुए इन फसलों की उगाई वाले स्थानों को बदलना भी आवश्यक हो सकता है। दीर्घावधि निवेश के निर्णय करने में जल उपलब्धता एक मुख्य कारक होगा।

उदाहरण के लिए, अगले 30 वर्षों में जैसे-जैसे हिमनद पिघलते जाते हैं, हिमालय क्षेत्र से जल के बहाव के बढ़ते जाने, और तदनंतर अत्यधिक घटते जाने का पूर्वानुमान किया गया है। कृषि-पारिस्थितिक दशाओं में बड़े पैमाने पर आने वाले इन बदलावों के लिए योजना बनाने हेतु प्रोत्साहन प्रदान करना निर्णायक होगा।

भारत के लिए कृषि अनुसंधान और विकास में दीर्घावधि निवेश करना आवश्यक है। यह संभावित है कि भारत को भविष्य में एक बदले हुए मौसम प्रतिरूप का सामना करना होगा।

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

जलवायु परिवर्तन वर्तमान फसलों के स्थानों में बदलाव लाने के लिए किस कारण से मजबूर करेंगे?

1. हिमनदों का पिघलना
2. दूसरे स्थानों पर जल उपलब्धता और ताप उपयुक्तता
3. फसलों की हीन उत्पादकता
4. शस्य पादपों की अपेक्षाकृत व्यापक अनुकूलता

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

14. इस परिच्छेद के अनुसार, भारत में कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण क्यों है?

(a) मानसून प्रतिरूपों में विचरण का पूर्वानुमान करना और जल संसाधनों का प्रबंधन करना।

(b) आर्थिक संवृद्धि के लिए दीर्घावधि निवेश के निर्णय करना।

(c) फसलों की व्यापक अनुकूलता को सुकर बनाना।

(d) अनावृष्टि दशाओं का पूर्वानुमान करना और अंत:जलस्तरों का पुनर्भरण करना।

GS World Committed To Excellence

परिच्छेद - 2

यह परमावश्यक है कि हम ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाएं और इस तरह आगामी वर्षों और दशकों में होने वाले जलवायु परिवर्तन के कुछ बदतरीन प्रभावों से बचें। उत्सर्जन कम करने के लिए ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग के हमारे तरीकों में एक बड़ा बदलाव अपेक्षित होगा। जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता से हटना अतिविलम्बित है, किन्तु दुर्भाग्य से, प्रौद्योगिकीय विकास धीमा और अपर्याप्त रहा है, मोटे तौर पर इसलिए, कि तेल की अपेक्षाकृत निम्न कीमतों से जन्मी अदूरदर्शिता के कारण सरकारी नीतियाँ अनुसंधान और विकास में निवेश को प्रोत्साहन नहीं देती रही हैं। इसलिए अब राष्ट्रीय अनिवार्यता के रूप में वृहत् पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा को काम में लाने के अवसर का लाभ उठाना भारत जैसे देश के लिए अत्यावश्यक है। यह देश ऊर्जा के सौर, वायु और जैवमात्रा स्रोतों से अत्यधिक सम्पन्न है। दुर्भाग्य से, जहां हम पीछे हैं, वह है इन स्रोतों को काम में लाने के लिए प्रौद्योगिकीय समाधान विकसित और सर्जित करने की हमारी क्षमता।

जलवायु परिवर्तन पर अंत: सरकारी पैनल (IPCC) द्वारा निर्धारित रूप से ग्रीनहाउस गैसों को सख्ती से कम करने के लिए एक विशिष्ट प्रक्षेप-पथ स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को दिखाता है कि ग्रीनहाउस गैसों के भूमंडलीय उत्सर्जनों का चरम बिन्दु 2015 को पार न करे और उसके आगे तेजी से घटने लगे। ऐसे प्रक्षेप-पथ के साथ संबद्ध लागत वस्तुत: मर्यादित है और इसकी राशि, IPCC के आकलन में 2030 में विश्व GDP के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। दूसरे शब्दों में, सम्पन्नता के जिस स्तर पर विश्व बिना उत्सर्जन में कमी लाए पहुंच सकता, खराब-से-खराब हालत में कुछ मास या अधिक से अधिक एक वर्ष तक टल जाएगी। स्पष्टत: यह, जलवायु परिवर्तन से जुड़े बदतरीन खतरों से करोड़ों लोगों को बचाने के लिए चुकाई जाने वाली कोई बहुत बड़ी कीमत नहीं है। तथापि, ऐसे किसी प्रयास के लिए जीवन-शैलियों को भी उपयुक्त रूप से बदलना होगा। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाना सिर्फ एक प्रौद्योगिकीय उपाय भर नहीं है, और इसके लिए स्पष्टत: जीवन-शैलियों में बदलाव और देश की आर्थिक संरचना में रूपांतरण अपेक्षित है, जिसके द्वारा, उत्सर्जन को प्रभावी रूप से कम किया जाए, जैसे कि जीव प्रोटीन के काफी कम मात्राओं में उपभोग के माध्यम से खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने यह निर्धारित किया है कि पशुधन क्षेत्रक से उत्सर्जन कुल उत्सर्जन का 18 प्रतिशत होता है। इस स्रोत से हो रहे उत्सर्जन में कमी लाना पूरी तरह मनुष्यों के हाथ में है, जिन्होंने अपनी अधिक से अधिक जीव प्रोटीन के उपभोग की आहार आदतों के कारण पड़ने वाले प्रभाव पर कभी कोई प्रश्न नहीं उठाया। वस्तुत: उत्सर्जन में कमी लाने के विशाल सह-सुलाभ हैं, जैसे अपेक्षाकृत कम वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी लाभ, उच्चतर ऊर्जा सुनिश्चितता तथा और अधिक रोजगार।

15. परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में सहायक होंगे?

1. माँस के उपभोग में कमी लाना

2. तीव्र आर्थिक उदारीकरण

3. उपभोक्तावाद में कमी लाना

4. पशुधन की आधुनिक प्रबंधन प्रक्रियाएँ

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4

(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 2 और 4

16. हम जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भर क्यों बने हुए हैं?

1. अपर्याप्त प्रौद्योगिकीय विकास

2. अनुसंधान और विकास के लिए अपर्याप्त निधियाँ

3. ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की अपर्याप्त उपलब्धता

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

17. परिच्छेद के अनुसार, ग्रीनहाउस गैसों में कमी लाना हमारे लिए किस तरह सहायक है?

1. इससे लोक स्वास्थ्य पर व्यय घटता है

2. इससे पशुधन पर निर्भरता घटती है

3. इससे ऊर्जा आवश्यकताएं घटती है

4. इससे भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन की दर घटती है

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 3 और 4

(c) 2, 3 और 4 (d) केवल 1 और 4

18. इस परिच्छेद का सारभूत संदेश क्या है?

(a) हम जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भर बने हुए हैं

(b) ग्रीनहाउस गैसों में कमी लाना अत्यावश्यक है

(c) हमें अनुसंधान और विकास में निवेश करना ही चाहिए।

(d) लोगों को अपनी जीवन-शैली बदलनी ही चाहिए

GS World Committed To Excellence

19. एक नर्सरी में 50 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। कुछ विद्यार्थी केवल अंग्रेजी बोल सकते हैं और कुछ केवल हिन्दी बोल सकते हैं। 10 विद्यार्थी अंग्रेजी और हिन्दी दोनों बोल सकते हैं। यदि उन विद्यार्थियों की संख्या, जो अंग्रेजी बोल सकते हैं, 21 है, तो कितने विद्यार्थी हिन्दी बोल सकते हैं, कितने केवल हिन्दी बोल सकते हैं और कितने केवल अंग्रेजी बोल सकते हैं?

(a) क्रमशः 21, 11 और 29
(b) क्रमशः 28, 18 और 22
(c) क्रमशः 37, 27 और 13
(d) क्रमशः 39, 29 और 11

20. एक माली अपने आयताकार बगीचे की लंबाई में 40% वृद्धि तथा चौड़ाई में 20% कमी करते हुए बगीचे के क्षेत्रफल में वृद्धि करता है। नए बगीचे का क्षेत्रफल

(a) 20% बढ़ जाता है
(b) 12% बढ़ जाता है
(c) 8% बढ़ जाता है
(d) बिलकुल पुराने क्षेत्रफल जितना रहता है।

21. छह पुस्तकों को A, B, C, D, E और F से अंकित कर एक के बगल में एक रख दिया जाता है। B, C, E और F पुस्तकों के हरे आवरण हैं, जबकि अन्य पुस्तकों के आवरण पीले हैं। A, B और D पुस्तकें नई हैं, जबकि शेष पुरानी पुस्तकें हैं। A, B और C पुस्तकें विधि रिपोर्ट हैं, जबकि शेष पुस्तकें आयुर्विज्ञान के उद्धरण हैं। कौन-सी दो पुरानी, आयुर्विज्ञान के उद्धरणों की हरे आवरणों वाली पुस्तकें हैं?

(a) B और C (b) E और F
(c) C और E (d) C और F

22. एक सरल रेखा खण्ड 36 सेमी लंबा है। इस रेखा पर, रेखा के दोनों अंत्य बिन्दुओं से बिन्दु अंकित करने हैं। प्रत्येक अंत्य बिन्दु से, पहला बिन्दु अंत्य बिन्दु से 1 सेमी की दूरी पर, दूसरा बिन्दु पहले बिन्दु से 2 सेमी की दूरी पर और तीसरा बिन्दु दूसरे बिन्दु से 3 सेमी की दूरी पर है और यही क्रम आगे जारी है। यदि अंत्य बिन्दुओं को न गिना जाए और उभयनिष्ठ बिन्दुओं को 1 गिना जाए, तो बिन्दुओं की संख्या क्या है?

(a) 10 (b) 12
(c) 14 (d) 16

23. यदि सोहन दो बकरियों को एक ही दाम पर बेचकर, एक बकरी पर 10% लाभ कमाता है और दूसरी पर 10% हानि भुगतता है, तो

(a) उसे न तो लाभ होगा और न ही हानि होगी।
(b) उसे 1% का लाभ होगा।
(c) उसे 1% की हानि होगी।
(d) उसे 2% की हानि होगी।

24. एक क्लब के कुल 120 संगीतज्ञों में से 5% गिटार, वायलिन और बाँसुरी, तीनों वाद्य बजा सकते हैं। उपर्युक्त वाद्यों में से कोई दो और केवल दो वाद्य बजा सकने वाले संगीतज्ञों की संख्या 30 है। जो संगीतज्ञ केवल गिटार बजा सकते हैं, वे 40 हैं। ऐसे संगीतज्ञों की कुल संख्या बताइए जो केवल वायलिन बजा सकते हैं या केवल बाँसुरी बजा सकते हैं।

(a) 45 (b) 44
(c) 38 (d) 30

25. एक मेज पर 6 एकसमान कार्ड रखे हुए हैं। प्रत्येक कार्ड के एक फलक पर संख्या '1' व इसके दूसरे फलक पर संख्या '2' अंकित है। सभी छह कार्ड ऐसे रखे हुए हैं कि संख्या '1' वाला फलक ऊपर की तरफ है। एक प्रयास में तथ्यतः चार (न कम और न ही उससे अधिक) कार्डों को पलटा जाता है। कार्डों को न्यूनतम कितने प्रयासों में ऐसे पलटा जा सकता है कि सभी छह कार्डों के ऊपर संख्या '2' दिखे?

(a) 3 (b) 5
(c) 7 (d) ऐसा करना संभव नहीं है

निम्नलिखित 8 (आठ) प्रश्नांशों के लिए निर्देश :

निम्नलिखित दो परिच्छेदों को पढ़िए और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

परिच्छेद-1

हिमालय का पारितंत्र भूवैज्ञानिक कारणों और जनसंख्या के बढ़े हुए बोझ, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और अन्य सम्बंधित चुनौतियों से जन्य दबाव के कारण, क्षति के प्रति अत्यंत सुभेद्य है। सुभेद्यता के ये पहलू जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण उत्तेजित हो सकते हैं। यह सम्भव है कि जलवायु परिवर्तन हिमालय के पारितंत्र पर, बढ़े हुए तापमान, परिवर्तित वर्षण प्रतिरूप, अनावृष्टि की घटनाओं और जीवीय प्रभावों के माध्यम से, प्रतिकूल प्रभाव डाले। यह न केवल उच्चभूमियों में रहने वाले देशज समुदायों के पूरे निर्वाह पर, बल्कि सारे देश में और उसके परे अनुप्रवाह क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के जीवन पर भी असर डालेगा। इसलिए, हिमालय के पारितंत्र की धारणीयता बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता है। इसके लिए सभी निरूपक प्रणालियों के संरक्षण के लिए सचेत प्रयत्न करने की आवश्यकता होगी।

GS World
Committed To Excellence

आगे, इस पर बल देने की आवश्यकता है कि सीमित व्याप्ति वाले, और बहुधा विशेषीकृत आवासीय आवश्यकताओं वाले विशेषक्षेत्री घटक सर्वाधिक सुभेद्य घटकों में से हैं। इस संदर्भ में, हिमालय का जैवविविधता वाला तप्तस्थल, जो विशेषक्षेत्री विविधता से सम्पन्न है, जलवायु परिवर्तन के प्रति सुभेद्य है। इसके खतरों में, आनुवंशिक संसाधनों और जातियों, आवासों का सम्भावित क्षय और सहगामी रूप से, पारितंत्र के लाभों में कमी का आना शामिल है। इसलिए, इस क्षेत्र के लिए संरक्षण योजनाएं बनाते समय, निरूपक पारितंत्रों/आवासों में विशेषक्षेत्री घटकों के संरक्षण का अत्यंत महत्त्व हो जाता है।

उपर्युक्त को हासिल करने की दिशा में, हमें समकालीन संरक्षण उपागमों की ओर ध्यान अंतरित करना होगा, बिन्दु जिसमें संरक्षित क्षेत्र-प्रणालियों के बीच दृश्यभूमि स्तर की अंतर्संयोजकता का प्रतिमान शामिल है। यह संकल्पना, जाति-आवास पर ध्यान केंद्रित करने की जगह जैवभौगोलिक परास को विस्तारित करने पर समावेशी ध्यान-संकेंद्रण करने का पक्षसमर्थन करती है, ताकि जलवायु परिवर्तन के प्राकृतिक समंजन सीमित हुए बिना आगे बढ़ सकें।

26. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

परिच्छेद के अनुसार, पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावस्वरूप

1. इसके वनस्पतिजात और प्राणिजात में से कुछ का स्थायी विलोपन हो सकता है।
2. स्वयं पारितंत्र का स्थायी विलोपन हो सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

27. निम्नलिखित में से किस एक कथन का सबसे सटीक निहितार्थ यह है कि समकालीन संरक्षण उपागम की ओर ध्यान अंतरित करने की आवश्यकता है?

(a) प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हिमालय के पारितंत्र पर दबाव डालता हैं
(b) जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षण प्रतिरूपों में बदलाव, अनावृष्टि की घटनाएं और जीवीय हस्तक्षेप होता है।
(c) समृद्ध जैवविविधता, जिसमें विशेषक्षेत्री विविधता शामिल है, हिमालय क्षेत्र को एक जैवविविधता तप्तस्थल बनाता है।
(d) हिमालय के जैवभौगोलिक क्षेत्र को इस तरह समर्थ बनाना चाहिए कि वह अबाध रूप से जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल बनता रहे।

28. इस परिच्छेद द्वारा क्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है?

(a) विशेषक्षेत्रीयता हिमालयी क्षेत्र की लाक्षणिक विशेषता है।
(b) संरक्षण प्रयासों का बल कतिपय जातियों या आवासो के स्थान पर जैवभौगोलिक परासों पर होना चाहिए।
(c) जलवायु परिवर्तन का हिमालय के पारितंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव हुआ है।
(d) हिमालय के पारितंत्र के अभाव में, उच्चभूमियों और अनुप्रवाह क्षेत्रों के समुदायों के जीवन का कोई धारण-आधार नहीं होगा।

29. परिच्छेद के संदर्भ में, निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं:

1. प्राकृतिक पारितंत्र बनाए रखने के लिए, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का पूरी तरह परिहार किया जाना चाहिए।
2. पारितंत्र को, न केवल मानवोद्भविक, बल्कि प्राकृतिक कारण भी प्रतिकूलत: प्रभावित कर सकते हैं।
3. विशेषक्षेत्री विविधता के क्षय से पारितंत्र का विलोपन होता है।

उपर्युक्त धारणाओं में से कौन-सी सही है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) केवल 3

परिच्छेद-2

यह अक्सर भुला दिया जाता है कि विश्वव्यापीकरण केवल अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों और लेन-देन संबंधी नीतियों के बारे में ही नहीं है, बल्कि इसका सरोकर समान रूप से राष्ट्र की घरेलू नीतियों से भी है। अंतर्राष्ट्रीय रूप से (WTO आदि द्वारा) मुक्त व्यापार और निवेश प्रवाह संबंधी नियत दशाओं को पूरा करने हेतु किए गए आवश्यक नीतिगत परिवर्तन प्रत्यक्षत: घरेलू उत्पादकों तथा निवेशकों को प्रभावित करते हैं। किन्तु विश्वव्यापीकरण में अध:शायी आधारभूत दर्शन कीमतों, उत्पादन तथा वितरण प्रतिरूप के निर्धारण के लिए बाजारों की अबाध स्वतंत्रता पर बल देता है, तथा सरकारी हस्तक्षेपों को उन प्रक्रियाओं के रूप में देखता है जो विकृति उत्पन्न करती हैं तथा अदक्षता लाती हैं। अत: सार्वजनिक उद्यमों को विनिवेशों तथा विक्रयों द्वारा निजीकरण हो; और अभी तक जो क्षेत्र और कार्यकलाप सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित हैं, आवश्यक है कि उन्हें प्राइवेट क्षेत्र के लिए खोल दिया जाए। इस तर्क का विस्तार शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं तक है। कामगारों की छँटनी के माध्यम से

GS World
Committed to Excellence

श्रम-बल का समायोजन करने पर लगे प्रतिबंध हटा लिए जाने चाहिए तथा तालाबंदी पर लगे प्रतिबंधों को हटाकर निर्गमन को अपेक्षाकृत आसान बनाया जाना चाहिए। रोजगार तथा वेतन बाजार शक्तियों की स्वतंत्र गतिविधियों द्वारा शासित होना चाहिए, क्योंकि उनको नियंत्रित करने मे कोई भी उपाय निवेश को हतोत्साहित कर सकते हैं तथा उत्पादन में अदक्षता भी उत्पन्न कर सकते हैं। सर्वोपरि रूप से, राज्य की भूमिका में कमी लाने के समग्र दर्शन के अनुरूप, ऐसे राजकोषीय सुधार किए जाने चाहिए जिनसे आमतौर पर कराधान के स्तर निम्न हों तथा वित्तीय विवेक के सिद्धांत के पालन हेतु शासकीय खर्च न्यूनतम हो। ये सब घरेलू स्तर पर किए जाने वाले नीतिगत कार्य हैं तथा विश्वव्यापीकरण कार्यसूची के सारभाग विषयों, यथा, माल और वित्त के स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय प्रवाह से प्रत्यक्षत: संबंधित नहीं हैं।

30. इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण के अंतर्गत सरकारी हस्तक्षेपों को ऐसी प्रक्रियाओं के रूप में देखा जाता है, जिनके कारण
(a) अर्थव्यवस्था में विकृतियाँ और अदक्षता आती है।
(b) संसाधनों का इष्टतम उपयोग होता है।
(c) उद्योगों को अपेक्षाकृत अधिक लाभप्रदता होती है।
(d) उद्योगों के संबंध में बाजार शक्तियों की गतिविधि स्वतंत्र होती है।

31. इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण का आधारभूत दर्शन क्या है?
(a) कीमतों और उत्पादन के निर्धारण के लिए उत्पादकों को पूर्ण स्वतंत्रता देना
(b) वितरण प्रतिरूप विकसित करने हेतु उत्पादकों को स्वतंत्रता देना
(c) कीमतों, उत्पादन और रोजगार के निर्धारण हेतु बाजारों को पूर्ण स्वतंत्रता देना
(d) आयात और निर्यात के लिए उत्पादकों को स्वतंत्रता देना।

32. इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा/से आवश्यक है/हैं?
1. सार्वजनिक उद्यमों का निजीकरण
2. सार्वजनिक व्यय की विस्तार-नीति
3. वेतन और रोजगार निर्धारित करने की बाजार शक्तियों की स्वतंत्र गतिविधि
4. शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं का निजीकरण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

33. इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण की प्रक्रिया में राज्य की भूमिका कैसी होनी चाहिए?
(a) विस्तृत होती हुई
(b) घटती हुई
(c) सांविधिक
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निम्नलिखित 4 (चार) प्रश्नांशों के लिए निर्देश :

निम्नलिखित आलेख, दो फल-विक्रेताओं A और B का वर्ष 1995 से 2000 तक, प्रति वर्ष हजारों ₹ में औसत लाभ दर्शाता है। इस आलेख पर विचार कीजिए और आगे आने वाले 4(चार) प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए :

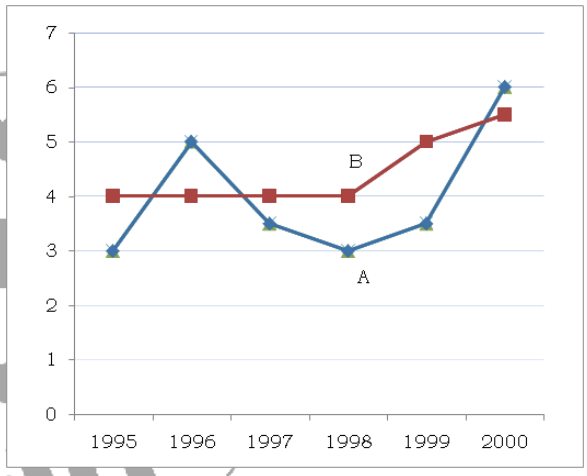

34. किस वर्ष में A और B का औसत लाभ समान है?
(a) 1995 (b) 1996
(c) 1997 (d) 1998

35. वर्ष 1998 में, B और A के औसत लाभ के बीच क्या अंतर है?
(a) - ₹ 100 (b) - ₹ 1,000
(c) + ₹ 600 (d) - ₹ 300

36. A ने वर्ष 2000 में, वर्ष 1999 के औसत लाभ से कितना अधिक औसत लाभ अर्जित किया?
(a) ₹ 200 (b) ₹ 1,000
(c) ₹ 1,500 (d) ₹ 2,000

37. वर्ष 1997 से वर्ष 2000 तक, B के औसत लाभ की क्या प्रवृत्ति है?
(a) अवर्धमान (b) अह्रासमान
(c) अपरिवर्ती (d) अस्थिर

GS World
Committed To Excellence

38. निम्नलिखित सारणी में बताया गया है कि दो छात्रों ने भिन्न-भिन्न विषयों में कितने-कितने अंक प्राप्त किए :

	छात्र A	अधिकतम अंक	छात्र B	अधिकतम अंक
अंग्रेजी	60	100	80	150
मनोविज्ञान	70	100	70	100
इतिहास	50	100	60	100
संस्कृत	30	50	15	25

छात्रों के माध्य समुच्चयी प्रतिशत अंकों में कितना अंतर है?

(a) 2.5% (b) 13.75%

(c) 1.25% (d) शून्य

39. नीचे दी गई आकृति का परीक्षण कीजिए :

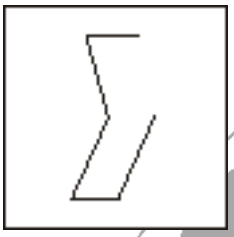

नीचे दी गई आकृतियों में से किस एक आकृति के ऊपर दी गई आकृति अंत:स्थापित है?

(a) 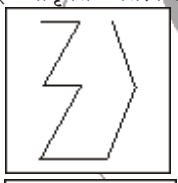 (b) 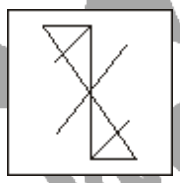

(c) 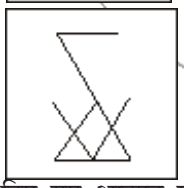 (d) 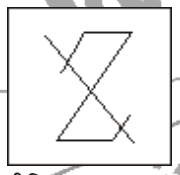

40. नीचे दिए गए आव्यूह पर विचार कीजिए :

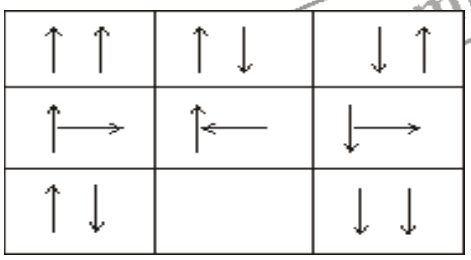

(a) 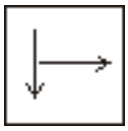 (b) 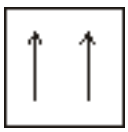

(c) 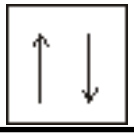 (d) 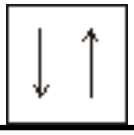

41. निम्नलिखित सारणी में एक शहर की चार वर्षों की जनसंख्या और कुल आय प्रस्तुत है :

वर्ष	1992	1993	1994	1995
जनसंख्या (लाखों में)	20	21	22	23
आय (करोड़ों में)	1010	1111	1225	1345

उपर्युक्त आँकड़ों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

(a) जनसंख्या के संदर्भ में प्रति वर्ष 5% या अधिक वृद्धि हुई है।

(b) आय में प्रति वर्ष 10% या अधिक वृद्धि हुई है।

(c) प्रति व्यक्ति आय हमेशा ₹ 5,000 से अधिक रही है।

(d) प्रति व्यक्ति आय 194 में सर्वाधिक थी।

42. नीचे दी गई सारणी पर विचार कीजिए, जिसमें संख्याएँ पंक्तियों के साथ आपस में विशेष सम्बन्ध रखती है:

29	13	18
33	X	19
30	27	3

निम्नलिखित में से कौन-सी एक संख्या, उपर्युक्त X द्वारा इंगित लुप्त संख्या है?

(a) 19 (b) 15

(c) 14 (d) 8

43. नीचे दिए गए आखिरी खाने में एक रिक्त खण्ड वाले आव्यूह पर विचार कीजिए :

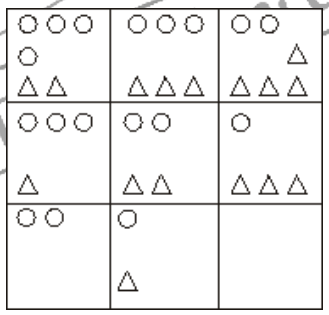

निम्नलिखित में से कौन-सी आकृति रिक्त खण्ड में उपयुक्त हो सकती है जिससे आव्यूह पूरा हो जाए?

(a) (b)

(c) 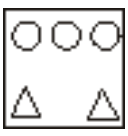 (d) 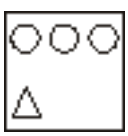

44. नीचे दी गई आकृति के संदर्भ में, U और/या V से पुन: अनुरेखण किए बिना, S से T तक जाने के कितने भिन्न मार्ग हैं?

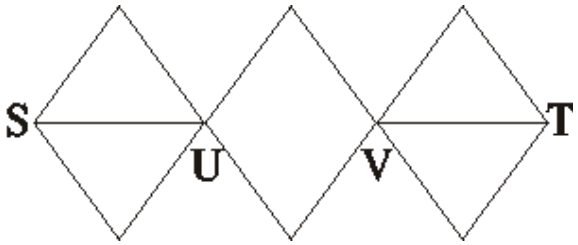

(a) 3 (b) 6
(c) 9 (d) 18

45. निम्नांकित आकृतियों पर विचार कीजिए :

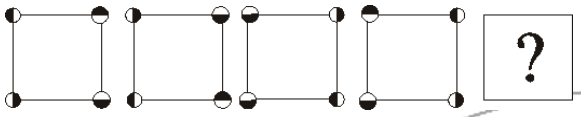

ऊपर अंकित चार आकृतियों में मनकों की स्थिति एक अनुक्रम का अनुसरण करते हुए, निम्नांकित आकृतियों में से कौन-सी एक, ऊपर की पाँचवीं आकृति के रूप में आनी चाहिए?

(a) 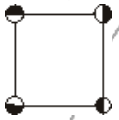
(b) 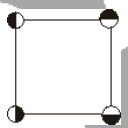
(c) 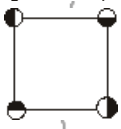
(d)

46. एक घंटी हर 18 मिनट पर बजती है। एक दूसरी घंटी हर 24 मिनट पर बजती है। एक तीसरी घंटी हर 32 मिनट पर बजती है। यदि सभी तीनों घंटियाँ एक ही समय में सुबह 8 बजे बजती हैं, तो दूसरे किस समय पर वे सभी एक साथ बजेंगी?

(a) 12 : 40 बजे (b) 12 : 48 बजे
(c) 12 : 56 बजे (d) 13 : 04 बजे

47. ''कीमत वही चीज नहीं है जो मूल्य है। मान लें कि किसी दिन हर चीज जैसे, कोयला, रोटी, डाक टिकटें, एक दिन का श्रम, मकानों का भाड़ा, आदि की कीमतें दुगुनी हो जाती हैं। तब कीमतें निश्चित रूप से बढ़ेंगी, किन्तु एक को छोड़कर बाकी चीजों के मूल्य नहीं बढ़ेंगे।''

लेखक कहना चाहता है कि यदि सभी चीजों की कीमतें दुगुनी हो जाएँ तो

(a) सब चीजों के मूल्य स्थिर रहेंगे।
(b) बिकी हुई चीजों के मूल्य दुगुने हो जाएँगे।
(c) खरीदी गई चीजों के मूल्य आधे हो जाएँगे।
(d) केवल मुद्रा का मूल्य आधार हो जाएगा।

48. A और B बस द्वारा स्थान X से स्थान Y तक जाने का निश्चय करते हैं। A के पास ₹ 10 हैं और उसे पता चलता है कि यह राशि दो व्यक्तियों के लिए बस किराए का 80% है। B के पास ₹ 3 मिलते हैं जिसे वह A को दे देता है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

(a) A के पास अब जो नकदी है, वह मात्र दो टिकटों के लिए ही पर्याप्त है।
(b) A को टिकटें खरीदने के लिए ₹ 2 और चाहिए।
(c) दो टिकट खरीदने के बाद A के पास 50 पैसे बच जाएँगे।
(d) A के पास अब जो नकदी है, वह अभी भी दो टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं है।

49. एक बैंक से किए गए समझौते के अनुसार, एक व्यापारी को कोई ऋणराशि कुछ समान किश्तों में बिना ब्याज चुकानी थी। 18 किश्त चुकाने के बाद उसने पाया कि उसका 60 प्रतिशत ऋण चुक गया। समझौते के अनुसार कितनी किश्तें थीं?

(a) 22 (b) 24
(c) 30 (d) 33

50. कोई श्रमिक अपने घर से फैक्टरी तक 5 कि.मी. प्रति घंटा की गति से चलकर अपनी फैक्टरी में 3 मिनट विलम्ब से पहुँचता है। यदि वह 6 कि.मी. प्रति घंटा की गति से चलता है, तो वह फैक्टरी 7 मिनट पहले पहुँचता है। फैक्टरी से उसके घर की दूरी क्या है?

(a) 3 कि.मी. (b) 4 कि.मी.
(c) 5 कि.मी. (d) 6 कि.मी.

51. ''अतएव स्वतंत्रता कभी वास्तविक नहीं होती है जब एक सरकार से, उसके द्वारा अधिकारों पर आक्रमण करने पर, स्पष्टीकरण नहीं माँगा जाए।''

उपर्युक्त कथन का सर्वश्रेष्ठ औचित्य निम्नलिखित में से कौन-सा है?

(a) इस बोध में कि न्यायालय में सरकार से स्पष्टीकरण माँगा जा सकता है
(b) एक मानव को राजनैतिक इकाई के रूप में इस प्रकार पहचानने में कि वह अन्य नागरिकों से विशिष्ट हो जाए
(c) ऐसे विकेंन्द्रित समाज में जिसमें मनुष्यों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाए
(d) इस समझ में कि स्वतंत्रता और पाबंदियाँ परस्पर पूरक हैं

GS World Committed To Excellence

निम्नलिखित 7 (सात) प्रश्नांशों के लिए निर्देश :

निम्नलिखित दो परिच्छेदों को पढ़िए और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

परिच्छेद - 1

अनेक राष्ट्र अब पूंजीवाद में विश्वास रखते हैं तथा सरकारें अपने लोगों के लिए सम्पत्ति सृर्जित करने की रणनीति के रूप में इसे चुनती है। ब्राजील, चीन और भारत में उनकी अर्थव्यवस्थाओं के उदारीकरण के पश्चात् देखी गई भव्य आर्थिक संवृद्धि इसकी विशाल सम्भाव्यता और सफलता का प्रमाण है। तथापि, विश्वव्यापी बैंकिंग संकट तथा आर्थिक मंदी कइयों के लिए विस्मयकारी रहा है। चर्चाओं का केंद्रबिन्दु मुक्त बाजार संक्रियाओं और बलों, उनकी दक्षता और स्वयं सुधार करने की उनकी योग्यता की ओर हुआ है। विश्वव्यापी बैंकिंग प्रणाली की असफलता को दर्शाने हेतु न्याय, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के मुद्दों का वर्णन विरले ही किया जाता है। इस प्रणाली के समर्थक पूंजीवाद की सफलता का औचित्य ठहराये ही जाते हैं और उनका तर्क है कि वर्तमान संकट एक धक्का था।

उनके तर्क उनके विचारधारागत पूर्वग्रह को इस पूर्वधारणा के साथ प्रकट करते हैं कि अनियंत्रित बाजार न्यायोचित तथा समर्थ होता है, और निजी लालच का व्यवहार वृहत्तर लोकहित में होगा।

कुछ लोग पूंजीवाद और लालच के बीच द्विदिशिक सम्बंध होने की पहचान करते हैं; कि दोनों एक-दूसरे को परिपुष्ट करते हैं। निश्चित रूप से, इस व्यवस्था से लाभ पाने वाले धनाढ्य और सशक्त खिलाड़ियों के बीच हितों के टकराव, उनके झुकाव और विचारधाराओं के अपेक्षाकृत अधिक ईमानदार सम्प्रत्ययीकरण की आवश्यकता है; साथ ही सम्पत्ति सृर्जन को केंद्रबिन्दु में रखने के साथ उसके परिणामस्वरूप जनित सकल असमानता को भी दर्शाया जाना चाहिए।

52. इस परिच्छेद के अनुसार, ''मुक्त बाजार व्यवस्था'' के समर्थक किसमें विश्वास करते हैं?
    (a) सरकारी प्राधिकारियों के नियंत्रण से रहित बाजार
    (b) सरकारी संरक्षण से मुक्त बाजार
    (c) बाजार की स्वयं के सुधार की क्षमता
    (d) नि:शुल्क वस्तुओं व सेवाओं के लिए बाजार

53. ''विचारधारागत पूर्वग्रह'' के संदर्भ में, इस परिच्छेद का निहितार्थ क्या है?
    (a) मुक्त बाजार न्यायोचित होता है किंतु सक्षम नहीं
    (b) मुक्त बाजार न्यायोचित नहीं होता किंतु सक्षम होता है
    (c) मुक्त बाजार न्यायोचित और सक्षम होता है
    (d) मुक्त बाजार न तो न्यायोचित होता है, न ही पूर्वग्रहयुक्त

54. इस परिच्छेद से ''निजी लालच का व्यवहार वृहत्तर लोकहित में होगा।''
    1. पूंजीवाद की झूठी विचारधारा को निर्दिष्ट करता है।
    2. मुक्त बाजार के न्यायसंगत दावों को स्वीकार करता है।
    3. पूंजीवाद के सद्भावपूर्ण चेहरे को दिखाता है।
    4. परिणामी सकल असमानता की उपेक्षा करता है।

    उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    (a) केवल 1 (b) 2 और 3
    (c) 1 और 4 (d) केवल 4

परिच्छेद - 2

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के निवल लाभ उनकी कुल परिसम्पत्तियों का मात्र 2.2% है, जो प्राइवेट निगम क्षेत्रक की तुलना में कम है। भले ही सार्वजनिक क्षेत्रक या राज्य-संचालित उद्यमवृत्ति ने भारत के औद्योगिकरण को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तथापि, हमारी बढ़ती हुई विकास आवश्यकताएं, सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के संतोषजनक से अपेक्षाकृत न्यून निष्पादन, हमारे प्राइवेट क्षेत्रक में आई परिपक्वता, उद्यमवृत्ति के प्रसार हेतु इस समय उपलब्ध कहीं अधिक व्यापक सामाजिक आधार और प्रतियोगिता नीतियों को लागू कर सकने के बढ़ते हुए सांस्थानिक सामर्थ्य यह सुझाते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्रक की भूमिका के पुनरवलोकन का समय आ गया है।

सरकार का संविभाग-संघटन कैसा होना चाहिए? इसे सारे समय स्थिर नहीं बने रहना चाहिए। विमानन उद्योग पूर्णत: प्राइवेट मामलों की तरह भली-भांति कार्य करता है। दूसरी तरफ, ग्रामीण सड़कों को, जिनका छुटपुट यातायात पथकर व्यवस्था को अव्यवहार्य बना देता है, राज्य के तुलन-पत्र पर होना चाहिए। यदि ग्रामीण सड़कें सरकार के स्वामित्व में न हों, तो उनका अस्तित्व ही न रहेगा। उसी तरह, हमारे कसबों और नगरों में लोक स्वास्थ्य पूंजी का सार्वजनिक क्षेत्रक से आना जरूरी है। इसी प्रकार, वनाच्छादन के संरक्षण और संवर्धन को सार्वजनिक क्षेत्रक परिसम्पत्तियों की एक नई प्राथमिकता के रूप में होना चाहिए।

इस्पात का ही उदाहरण लें। लगभग शून्य प्रशुल्क के साथ, भारत इस धातु के लिए एक सार्वभौम प्रतियोगी बाजार है। भारतीय व्यापार-प्रतिष्ठान विश्व बाजार में इस्पात का निर्यात करते हैं, जिससे यह निर्देशित होता है कि प्रौद्योगिकी में कोई अंतराल नहीं है। भारतीय कम्पनियां विश्व की इस्पात कम्पनियों को खरीद रही है, जो यह दिखाता है कि पूंजी उपलब्धता में कोई अंतराल नहीं हैं इन दशाओं में, प्राइवेट स्वामित्व उत्कृष्ट कार्य करता है।

विनियमित उद्योगों में, वित्त से लेकर आधारिक संरचना तक, प्राइवेट स्वामित्व साफ तौर पर वांछनीय है, जहां सरकारी अभिकरण विनियमन का कार्य निष्पन्न करे और बहुल प्रतियोगी व्यापार-प्रतिष्ठान प्राइवेट क्षेत्रक में अवस्थित हों। यहां, सरल और स्पष्ट समाधान है- सरकार का खेलपंच (अम्पायर) की तरह होना और प्राइवेट क्षेत्रक का खिलाड़ियों की तरह होना ही सबसे अच्छी तरह कार्य करता है। इनमें से अनेक उद्योगों में, सरकारी स्वामित्व की विरासत है, जहां उत्पादकता की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम रहने की ओर है, दिवालियेपन का भय मौजूद नहीं है, और करदाताओं से धन की मांग का जोखिम हमेशा बना हुआ है। इसमें, सरकार के स्वामी होने और नियामक होने के बीच एक हित-द्वन्द्व भी बना रहता है। यदि सरकारी कम्पनियां कार्यरत न हों, तो प्रतियोगिता नीति की रचना और कार्यान्वयन और भी सशक्त और निष्पक्ष होगा।

55. इस परिच्छेद के अनुसार, यह कहने का/के क्या कारण है/हैं कि सार्वजनिक क्षेत्रक की भूमिका के पुनरवलोकन का समय आ गया है?

1. औद्योगीकरण प्रक्रिया में अब सार्वजनिक क्षेत्रक ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है।
2. सार्वजनिक क्षेत्रक संतोषजनक ढंग से निष्पादन नहीं करता।
3. प्राइवेट क्षेत्रक में उद्यमवृत्ति बढ़ रही है।
4. अब प्रभावकारी प्रतियोगी नीतियाँ उपलब्ध हैं।

दिए गए संदर्भ में, उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

56. इस परिच्छेद के अनुसार, ग्रामीण सड़कों को सार्वजनिक क्षेत्रक के दायरे में ही होना चाहिए। क्यों?

(a) ग्रामीण विकास-कार्य केवल सरकार का अधिकार-क्षेत्र है।
(b) इसमें निजी क्षेत्रक को धन लाभ नहीं हो सकता।
(c) सरकार कर-दाताओं से धन लेती है, अत: यह सरकार का ही दायित्व है।
(d) प्राइवेट क्षेत्रक की कोई सामाजिक जिम्मेदारी होना आवश्यक नहीं है।

57. सरकार का संविभाग-संघटन किसे निर्दिष्ट करता है?

(a) सार्वजनिक क्षेत्रक की परिसंपत्ति गुणता
(b) तरल परिसंपत्तियों में निवेश
(c) विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रकों में सरकारी निवेश का मिश्रण
(d) निवेश पर प्रतिफल देने वाली पूंजी परिसंपत्तियों का क्रय

58. लेखक सरकार को खेलपंच (अम्पायर) की तरह और प्राइवेट क्षेत्रक को खिलाड़ियों की तरह होना पसंद करता है, क्योंकि

(a) सरकार प्राइवेट क्षेत्रक के निष्पक्ष कार्य के लिए मानदण्ड विहित करती है।
(b) नीति की रचना के लिए सरकार ही अंतिम सत्ता है।
(c) सरकार का प्राइवेट क्षेत्रक में कार्य करने वालों पर कोई नियंत्रण नहीं होता।
(d) इस संदर्भ में उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है।

59. किसी प्रश्न-पत्र में आठ कवियों में से एक A, B, C, D, E, F, G या H पर प्रश्न का होना आवश्यक है। इन कवियों में पहले चार कवि मध्य युग के और शेष आधुनिक काल के माने जाते हैं। साधारणतया, एकांतर वर्षों में प्रश्न-पत्र में आधुनिक कवियों पर प्रश्न पूछे जाते हैं। साधारणतया जो H को पसंद करते हैं वे G को भी पसंद करते हैं; और जो F को पसंद करते है, वे E को भी पसंद करते हैं। प्राशिनिक F के बारे में प्रश्न पूछना नहीं चाहता क्योंकि उसने F के बारे पुस्तक लिखी है, किन्तु वह F को पसंद करता है। पिछले वर्ष, प्रश्न-पत्र में A के बारे में एक प्रश्न था। दी गई सूचना के आधार पर, इस वर्ष किस कवि के बारे में प्रश्न पूछे जाने की अत्यधिक संभावना है?

(a) C (b) E
(c) F (d) H

60. छह स्त्रियों की मंडली में चार नर्तकियाँ, चार गायिकाएँ, एक अभिनेत्री और तीन वायलिन वादिकाएँ है। गिरिजा और वनजा वायलिन वादिकाएँ हैं, जबकि जलजा और शैलजा वायलिन बजाना नहीं जानतीं। शैलजा और तनुजा सभी गायिकाएँ हैं और उनमें से दो वायलिन वादिकाएँ भी हैं। यदि पूजा अभिनेत्री है, तो निम्नलिखित में से कौन निश्चित रूप से नर्तकी भी है और वायलिन वादिका भी?

(a) जलजा (b) पूजा
(c) शैलजा (d) तनुजा

61. L, M, N, O, P, Q, R, S और T अक्षरों को नौ पूर्णांकों, 1 से 9 से प्रतिस्थापित किया जाता है, परन्तु उसी क्रम में नहीं। P के लिए 4 निर्धारित है। P और T के बीच अंतर 5 है। N और T के बीच अंतर 3 है। N के लिए निर्धारित पूर्णांक क्या है?

(a) 7 (b) 5
(c) 4 (d) 6

62. सेना के कार्मिकों में 1000 में से 8 की मृत्यु होती है, किन्तु नागरिक जनसंख्या में यह प्रति 1000 में 20 है। इस कथन से निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) सेना में भर्ती होना बेहतर है।
(b) यह सम्बन्ध आकस्मिक है।
(c) सशस्त्र बलों में जीवन गुणता सूचकांक बहुत ऊँचा है।
(d) उनकी विषमजातीयता के कारण इन वर्गों की तुलना नहीं की जा सकती।

GS World
Committed To Excellence

63. ''बसे कारों की अपेक्षा अधिक दुर्घटनाओं का कारण है और ट्रक बसों की अपेक्षा कम दुर्घटनाओं का कारण होते हैं।''

इस कथन में हम निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष प्राप्त कर सकते हैं?

(a) सड़कों पर ट्रकों की अपेक्षा बसें अधिक हैं।
(b) कार चालक बस चालकों की अपेक्षा अधिक सावधान हैं।
(c) ट्रक चालक कार अथवा बस चालकों की अपेक्षा अधिक कुशल हैं।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. ''यदि राजनैतिक नेतृत्व उभरने में असफल होता है, तो विकासशील देशों में सेना द्वारा सत्ता हथियाने की संभावना होती है। उग्र छात्र समूह अथवा श्रमिक लोग क्रान्ति उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं, किन्तु वे सेना से प्रतिद्वंद्विता कभी नहीं कर सकते। सेना का हस्तक्षेप, शासन और राजनीति से हट जाना, समाज के राजनैतिक विकास के स्तर से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है।''

राजनैतिक विकास के संदर्भ में, उपर्युक्त गद्यांश में यह मान्यता है कि

(a) राजनैतिक नेतृत्व प्रभावकारी उपकरण नहीं है।
(b) सेना राजनैतिक शून्य को भरती है।
(c) विकास हेतु सेना का हस्तक्षेप अवश्यम्भावी है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

65. चार व्यक्तियों – आलोक, भूपेश, चंदर और दिनेश के पास कुल मिलाकर ₹ 100 हैं। आलोक और भूपेश के पास धनराशि मिलाकर उतनी ही धनराशि है जितनी चंदर और दिनेश के पास की धनराशि मिलाकर, किन्तु आलोक के पास भूपेश से अधिक धनराशि है; और चंदर के पास दिनेश से केवल आधी धनराशि है। आलोक के पास वस्तुतः दिनेश से ₹ 5 अधिक है। किसके पास अधिकतम धनराशि है?

(a) आलोक (b) भूपेश
(c) चंदर (d) दिनेश

66. निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिए :

1. जॉर्ज सोमवार को संगीत की कक्षाओं में उपस्थित होता है।
2. वह बुधवार को गणित की कक्षाओं में उपस्थित होता है।
3. उसकी साहित्य की कक्षाएँ शुक्रवार को नहीं होती।
4. वह गणित की कक्षाओं के दूसरे दिन इतिहास की कक्षाओं में उपस्थित होता है।
5. मंगलवार को, वह अपनी खेल-कूद की कक्षाओं में उपस्थित होता है।

यदि वह एक दिन में एक ही विषय की कक्षाओं में जाता हो और रविवार को उसकी छुट्टी रहती हो, तो अन्य किस दिन को भी उसकी छुट्टी रहेगी?

(a) सोमवार (b) गुरुवार
(c) शनिवार (d) शुक्रवार

67. किसी पंक्ति में 'A' बाई ओर से 11वें स्थान पर है और 'B' दाहिनी ओर से 10वें स्थान पर है। यदि 'A' और 'B' आपस में स्थान बदल लें, तो 'A' बाई ओर से 18वें स्थान पर हो जाता है। पंक्ति में 'A' और 'B' के अलावा कितने व्यक्ति हैं?

(a) 27 (b) 26
(c) 25 (d) 24

68. B की स्थिति A के उत्तर में है और C की स्थिति A के पूर्व में है। दूरियाँ AB और AC क्रमशः 5 कि.मी. और 12 कि.मी. हैं। B और C स्थानों के बीच की लघुतम दूरी (कि.मी. में) क्या है?

(a) 60 (b) 13
(c) 17 (d) 7

69. 160 कि.मी. दूरी पर स्थित A और B दो स्थानों से दो कारें एक-दूसरे की तरफ प्रस्थान करती हैं। दोनों कारें एक ही समय 08:10 पूर्वाह्न पर प्रस्थान करती हैं। यदि कारों की गति प्रति घंटे क्रमशः 50 कि.मी. और 30 कि.मी. है, तो कारें एक-दूसरे से किस समय पर मिलेंगी?

(a) 10:10 पूर्वाह्न (b) 10:30 पूर्वाह्न
(c) 11:10 पूर्वाह्न (d) 11:20 पूर्वाह्न

निम्नलिखित 6 (छह) प्रश्नांशों के लिए निर्देश :

निम्नलिखित 6 (छह) प्रश्नांश अंग्रेजी के दो परिच्छेदों पर आधारित हैं और अंग्रेजी भाषा के बोधन के परीक्षण के लिए हैं। अतः इन प्रश्नांशों का हिन्दी पाठ नहीं दिया जा रहा है। प्रत्येक परिच्छेद को पढ़िए तथा निम्नलिखित प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए।

Passage - 1

In front of us there was walking a bare-headed old man in tattered clothes. He was driving his beasts. They were all laden heavy loads of clay from the hills and looked tired. The man carried a long whip which perhaps he himself had mad. As he walked down the road he stopped now and then to eat the wild berries that grew on bushes along the uneven road. When he threw away the seeds, the bold birds would fly to peck at them. Sometimes a stray dog watched the procession philisophically and then began to bark. When this happened, my two little sons would stand still holding my hands firmly. A dog can sometimes be dangerous indeed.

70. The author's children held his hands firmly because

(a) they were scared of the barking dog.
(b) they wanted him to pluck berries.
(c) they saw the whip in the old man's hand.
(d) the road was uneven.

71. The expression "a stray dog watched the procession philosophically" means that
(a) the dog was restless and ferocious
(b) the dog stood aloof, looking at the procession with seriousness.
(c) the dog looked at the procession with big, wondering eyes.
(d) the dog stood there with his eyes closed.

Passage - 2

Cynthia was a shy girl. She believed that she was plain and untalented. One day her teacher ordered the entire class to show up for audition for the school play. Cynthia nearly died of fright when she was told that she would have to stand on stage in front of the entire class and deliver dialogues. The mere thought of it made her feel sick. But a remarkable transformation occurred during the audition. A thin, shy girl, her knees quaking, her stomach churning in terror, began to stun everyone with her excellent performance. Her bored classmates suddenly stoped their noisy chat to stare at her slender figure on the stage. At the end of her audition, the entire room erupted in thunderous applause.

72. Cynthia was afraid to stand on stage because
(a) she felt her classmates may laugh at her.
(b) her stomach was churning.
(c) she lacked self-confidence.
(d) she did not like school plays.

73. Cynthia's classmates were chatting because
(a) it was their turn to act next.
(b) they were bored of the performances.
(c) Cynthia did not act well.
(d) the teacher had no control over them.

74. Cynthia's knees were quaking because
(a) she felt nervous and shy.
(b) the teacher scolded her.
(c) she was very thin and weak.
(d) she was afraid of ther classmates.

75. The transformation that occurred during the audition refers to
(a) the nervousness of Cynthia.
(b) the eruption of the entire room in thunderous applause.
(c) the suprise on the faces of her classmates.
(d) ther stunning performance of Cynthia.

76. यदि किसी माह का तीसरा दिन सोमवार है, तो उसी माह की 21वीं तारीख से पाँचवाँ दिन, निम्नलिखित में से कौन-सा होगा?
(a) सोमवार
(b) मंगलवार
(c) बुधवार
(d) शुक्रवार

77. किसी चैरिटी शो के लिए, कुल 420 टिकटें बिकीं। इन टिकटों में आधी प्रत्येक ₹ 5 की दर पर, एक-तिहाई प्रत्येक ₹ 3 की दर पर और शेष टिकटें प्रत्येक ₹ 2 की दर पर बिकीं। कुल प्राप्त धनराशि कितनी थी?
(a) ₹ 900
(b) ₹ 1,540
(c) ₹ 1,610
(d) ₹ 2,000

निम्नलिखित 3 (तीन) प्रश्नांशों के लिए निर्देश :

नीचे दिए गए परिच्छेद को पढ़िए और उसके आगे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए।

A, B, C, D, E, F एक परिवार के सदस्य है। वे इंजीनियर, आशुलिपिक, डॉक्टर, ड्राफ्ट्समैन, विधिवक्ता और न्यायाधीश (क्रम में नहीं) हैं। इंजीनियर A, महिला आशुलिपिक से विवाहित है। न्यायाधीश, विधिवक्ता से विवाहित है। ड्राफ्ट्समैन F, B का पुत्र एवं E, अविवाहित है। D, F की दादी है। परिवार में दो विवाहित दम्पति हैं।

78. B का व्यवसाय क्या है?
(a) न्यायाधीश
(b) विधिवक्ता
(c) ड्राफ्ट्समैन
(d) निर्धारित नहीं किया जा सकता

79. निम्नलिखित में से कौन दम्पत्ति है/हैं?
(a) केवल AD
(b) केवल BC
(c) AD और BC दोनों
(d) AC और BD दोनों

80. D का व्यवसाय क्या है?
(a) न्यायाधीश
(b) आशुलिपिक
(c) डॉक्टर
(d) निर्धारित नहीं किया जा सकता

GS World Committed To Excellence